परमेश्वर की पवित्र आत्मा हमें बदलकर और अच्छा बनाता है।

प्रार्थना: प्यारे पिता, कृपया इस शिक्षा की सहायता से बच्चे आपको अच्छे से पहचाने।

ऐसे कार्य चुने, जो कार्यों कि जरुरतों और स्थानीय रीतिरिवाजों के योग्य हो।

इस पाठ की तैयारी शहीद स्तिफनुस की कहानी को पढ़कर सुनाएँ जो **प्रेरितों के काम 6:8-15; 7:51-60।** जानो, कैसे प्रभु की आत्मा ने स्तिफनुस को एक साहसी गवाह यीशु के लिये बनाया स्तिफनुस ने क्या कहा; और यहूदी नेताओं में इसकी क्या प्रतिक्रिया हुई।

फिर बच्चों से कहो: एक बडे बच्चे की कहानी सुनाने को कहो।

- स्तिफनुस किस प्रकार का आदमी था?
- क्यों कुछ नेताओ ने छुपकर लोगो को उकसाया कि वो स्तिफनुस के विषय में झूठ कहें?
- स्तिफनुस का चेहरा मरने से पहले कैसे दिखता था?
- स्तिफनुस ने मरने से पहले किस को देखा था?
- कुछ लोग स्तिफनुस से क्यों क्रुद्ध थे?
- स्तिफनुस के आखिरी शब्द क्या थे?

झूठे दोषारोपण की पीड़ा:

- बच्चों से कहो कि वो उस समय के बारे में सोचे, जब उनके बारे में कोई झूठ कहता है कहावत है, उन्होंने जो कुछ किया, जो उनको नहीं करना था।
- उनसे पूछो उन्हें कैसा लगा जब झूठा आरोप उन पर लगा, और उन्होंने क्या किया?

शहीद स्तिफनुस की कहानी को नाटक के रुप में कहानी का पूर्वाभ्यास करो और उसे वयस्क लोगों की आराधना के मध्य प्रस्तुत करो। बडे बच्चों को शाऊल स्तिफनुस और छोटे बच्चों को तर्क करने का भाग करने को तैयार करें।

शाऊल: मैं पौलुस प्रेरित मुझे तुम से कुछ कहना है मैंने प्रभु यीशु को देखने से पहले ही यह जानता था; जब मुझे "शाऊल" ने पुकारा था। (पढो प्रेरितो के काम 6:8)

स्तिफनुस: (एक तरफ खड़ा है)

अभियुक्त: (स्तिफनुस की तरफ इशारा करके गुस्से में चिल्लायें) "हमने सुना है स्तिफनुस मूसा और परमेश्वर के विरुद्ध अधर्म की बातें करता था।

शाऊल: (पढ़ें प्रेरितों काम 6:12)

अभियुक्तः (गुस्से में चिल्ला कर दावा करे जो कि प्रमाणित किया है प्रेरितों के काम 6:13-14)

शाऊलः (पढ़ें प्रेरितों के काम 6:15 और 7:1)

स्तिफनुसः (पढ़ें स्तिफनुस का वचन प्रेरितों के काम 7:2-3)

शाऊलः स्तिफनुस इस्राएल के इतिहास पर संक्षिप्त में टिप्पणी करे।"

स्तिफनुसः (पढ़ें प्रेरितों के काम 7:51-52)

शाऊलः (पढ़ें प्रेरितों के काम 7:54-55)

स्तिफनुसः (ऊपर की ओर इशारा करके और चिल्लाये स्तिफनुस के वचन प्रेरितों के काम 7:56)

अभियुक्त (दोनों): (भागो और स्तिफनुस को खींच कर कमरे के दूरी तरफ करें।)

शाऊलः पढ़ें प्रेरितों के काम 7:57-58 विस्तार से कहो "शाऊल" तुम ही थे।

अभियुक्त (दोनो): स्तिफनुस पर पत्थर फेंकने का नाटक करें।

स्तिफनुसः (पढ़ें स्तिफनुस का वचन प्रेरितों के काम 7:59-60

बच्चे बड़ों से प्रश्न पूछे जो उन्होंने तैयार किये थे। क्या पवित्र आत्मा ने स्तिफनुस को योग्य बनाया।। वो इन्हीं प्रश्नों को भाग 1 में भी प्रयोग कर सकते हैं।

कविता : यशायाह 61:1-2 के तीन हिस्सों का विवरण तीन बच्चों को सिखायें। वह इसका विवरण बड़ों के लिये भी प्रयोग कर सकते हैं।

परम परमेश्वर की आत्मा मुझ पर है
क्योंकि परमेश्वर ने मुझे भरोसा किया है,
अच्छे समाचार गरीबों को सुनाऊ।

उसने मुझे टूटे दिलों को जोड़ने को भेजा,
बन्दियो के लिये आजादी की घोषणा,
और कैदियों की अन्धकार से मुक्ति मिले।

प्रभु के अनुग्रह वर्ष की घोषणा करूं
और हमारे प्रभु के प्रतिशोध के दिन की।

पवित्र आत्मा के कामों को उदाहरण के साथ बताओ।

- बच्चों एक टोली चेलों का चित्र बनायें उदाहरण के लिये कि पवित्र आत्मा क्या करती है।
- बच्चे उन चित्रों को बड़े लोगों को दिखाकर और यह बतायें कि पवित्र आत्मा हमें परमेश्वर की शक्ति से भरती है और किस प्रकार पाप और बुराई की चैन से और मृत्यु के भय से छुटकारा दिलाती है।

याद करे यूहन्ना 20:22 बड़े बच्चे इफिसियों 1:13-14 याद करें।

आत्मा के फलों का वर्णन करने के लिये पढ़ें गलतियों 5:19-25

इन उदाहरणों द्वारा समझायें पापी शरीर के गन्दे कार्य (दुष्कर्म) और इसके विपरीत पवित्र आत्मा द्वारा नैतिक गुणों को बाद में इन्हीं के अन्दर उत्पन्न करती है, इस सूची में:

शरीर और आत्मा के फलों के कार्य

शारीरिक कार्य:- बुरे काम लोग अपनी इच्छा से करते हैं उन पापों के कारण। गलतियों 5:19-21	आत्मा के फल पवित्र आत्मा हमें अच्छे कार्य करने में मदद करती है। गलतियों 5:22-23
कामवासना अनैतिकता: दाऊद ने दूसरे पुरुष की औरत को चाहा।	प्यार: दाऊद ने पश्चात्ताप करके ईश्वर को ईमानदारी से दिल से चाहा 2 शमूएल 11:Ps51
अशुद्धता, व्यभिचार: विनाशकारी फिजूलखर्च बेटा बुरी हालत में रहता था।	खुशी: उसे खुशी मिली जब उसने पश्चात्ताप किया और वापिस लौटा। लूका 15:11-32
मूर्तिपूजा, जादूटोना: एज्रा के लोगो ने मूर्तिपूजा के कारण शांति खोई	शांति: एज्रा ने अपने यहूदी मित्रों को प्रभु में शांति खोजने में मदद की एज्रा:9
नफरत: शाऊल विश्वासियों से नफरत की और उनकी हत्या की।	धैर्य: शाऊल ने बुराई के व्यवहार को सहना सीखा। प्रेरितों के काम: 9
विरोध ईर्ष्या: यहूदा ने अपने भाई यूसूफ को डाह के कारण गुलाम बनाया।	दयालुता: यहूदा ने बाद में बहुत दयालुता दिखाई। उत्पत्ति 37, 44
क्षण में क्रोध करना यूहन्ना अपने शत्रुओं को आग से मारना चाहता था।	अच्छापन: यूहन्ना ने बाद में बहुत अच्छापन दिखाया।। यूहन्ना 9:54
स्वार्थीपन की महत्त्वकांक्षा: याकूब ने एसाव को संपत्ति के लिये धोखा दिया।	विश्वास: याकूब ने परमेश्वर पर विश्वास किया ताकि वो उसकी मदद करे। उत्पत्ति 25:29-34 पुराना नियम से उत्पत्ति 27 और 47
कलह, दलबंदी, मतभेद: अंताकिया की कलीसिया के विश्वासियों में कूट डाली।	सज्जनता: विश्वासियों ने अन्ताकिया ने एकता पाई। प्रेरितों के काम 15
मतवालापन; कुरिन्थियों में यह दोष थे।	संयम रखना: कुरिन्थियों लोगों ने पवित्र आत्मा के द्वारा 1 कुरिन्थियों और पवित्र किये गये 6:9-11 और धर्मी ठहराये गये।